DAILY CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

01 May 2025

THE HINDU

The Indian EXPRESS

Hindustan Times

दैनिक जागरण

जनसत्ता

UPSC(IAS/PCS) AND ALL COMPITETIVE EXAM

pib

THE HINDU

The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE

ABHAY SIR

01 सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव, आलोक जोशी बने अध्यक्ष

02 सतत विकास लक्ष्य और संसाधनों की कमी

03 टिड्डियों का खतरा: एफएओ ने चेतावनी

04 मधुमक्खियाँ: परागणकर्ता एवं पारिस्थितिक तंत्र की रीढ़

05 कनाडा में हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव

06 places in news :– यमन, कनाडा, पाकिस्तान

Result Mitra

Result Mitra
सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

Result Mitra

- **NSAB :- National Security Advisory Board**
- **चर्चा में क्यों :-**
- सरकार के द्वारा NSAB में बड़ा बदलाव किया गया है जिसके तहत अब इसके नए अध्यक्ष आलोक जोशी को बनाया गया है।
- आलोक जोशी पूर्व RAW प्रमुख है।
- **बोर्ड में बदलाव का कारण :-** पाकिस्तान और चीन से बढ़ता खतरा और पहलगांव हमला ।

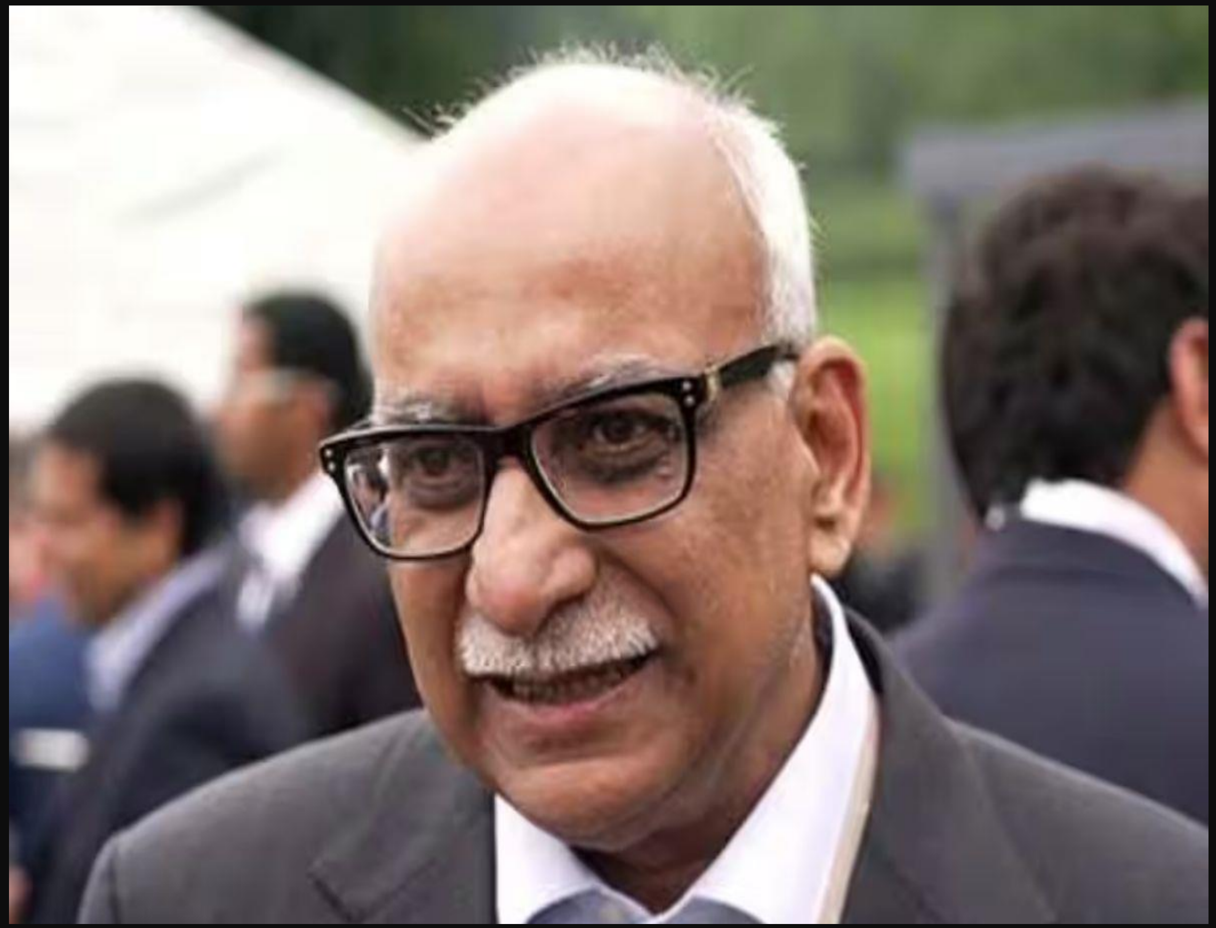

सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

Daily Current News

- **NSAB का नया स्वरूप**
- पुनर्गठित किए गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (NSAB) में अब सात सदस्य शामिल हैं।
- यह बोर्ड रक्षा, खुफिया और कूटनीति के क्षेत्रों से आने वाले अनुभवी विशेषज्ञों का समूह है।

Result Mitra

सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

Daily Current News

Result Mitra

- **बोर्ड की नई संरचना में शामिल हैं:**
- तीन सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी (सेना, वायुसेना और नौसेना से)
- दो पूर्व IPS अधिकारी, जिनका खुफिया और आंतरिक सुरक्षा में अनुभव है
- एक सेवानिवृत्त IFS अधिकारी, जो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में विशेषज्ञता रखते हैं
- एक अनुभवी खुफिया विशेषज्ञ, आलोक जोशी

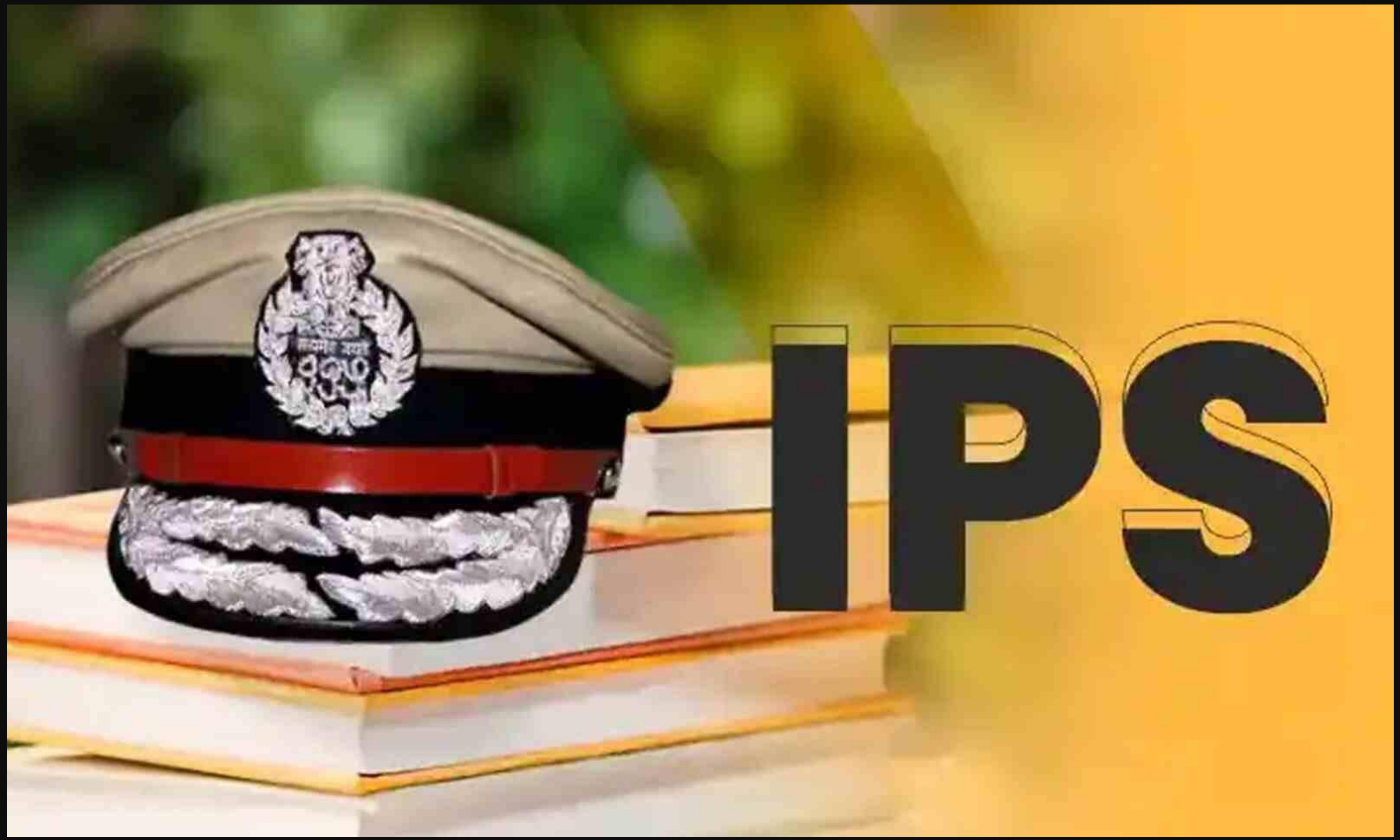

- **बोर्ड के अन्य प्रमुख सदस्य**
- ले. जनरल (से.नि.) ए.के. सिंह – दक्षिणी सेना के पूर्व कमांडर; जमीनी युद्ध रणनीति और सैन्य संचालन के विशेषज्ञ।
- एयर मार्शल (से.नि.) पी.एम. सिन्हा – वायुसेना के रणनीतिक संचालन में अनुभवशील।
- रियर एडमिरल (से.नि.) मॉन्टी खन्ना – समुद्री सुरक्षा और नौसैनिक रणनीति के विशेषज्ञ।

सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

DAILY NEWS

Daily Current News

Result Mitra

- राजीव रंजन वर्मा एवं मनमोहन सिंह – दोनों पूर्व IPS अधिकारी; आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी अभियानों में गहन अनुभव।
- बी. वेंकटेश वर्मा – भारत के पूर्व राजदूत (रूस); रणनीतिक और वैश्विक कूटनीति के विशेषज्ञ।

सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

Daily Current News

Result Mitra

- **आलोक जोशी की भूमिका और महत्त्व**
- आलोक जोशी, एक वरिष्ठ खुफिया विशेषज्ञ, इस नए NSAB में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।
- वे 1976 बैच के हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं और खुफिया एजेंसी RAW के प्रमुख (2012-2014) और NTRO के चेयरमैन (2015-2018) रह चुके हैं।

सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

Result Mitra

- उनका नेपाल और पाकिस्तान में खुफिया नेटवर्क और संचालन का व्यावहारिक अनुभव उन्हें बोर्ड में विशिष्ट बनाता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के मार्गदर्शन में, जोशी की नियुक्ति से यह संकेत मिलता है कि बोर्ड साइबर सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध, और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक खतरों पर अधिक केंद्रित और सक्रिय भूमिका निभाएगा।

- **NSAB की भूमिका और ऐतिहासिक योगदान**
- NSAB, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) को दीर्घकालिक रणनीतिक सुझाव और नीतिगत विश्लेषण प्रदान करता है।
- इसकी स्थापना 1998 में वाजपेयी सरकार द्वारा की गई थी।
- बोर्ड ने अतीत में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जैसे:

सरकार ने NSAB में किया बड़ा बदलाव

- भारत की परमाणु नीति का प्रारूप तैयार करना
- रणनीतिक रक्षा समीक्षा
- राष्ट्रीय सुरक्षा की समग्र समीक्षा
- बोर्ड आमतौर पर हर महीने बैठक करता है और समय-समय पर सरकार को आवश्यक सलाह देता है।
- इसका योगदान देश की रक्षा नीति को मजबूत और समकालीन बनाने में अहम रहा है।

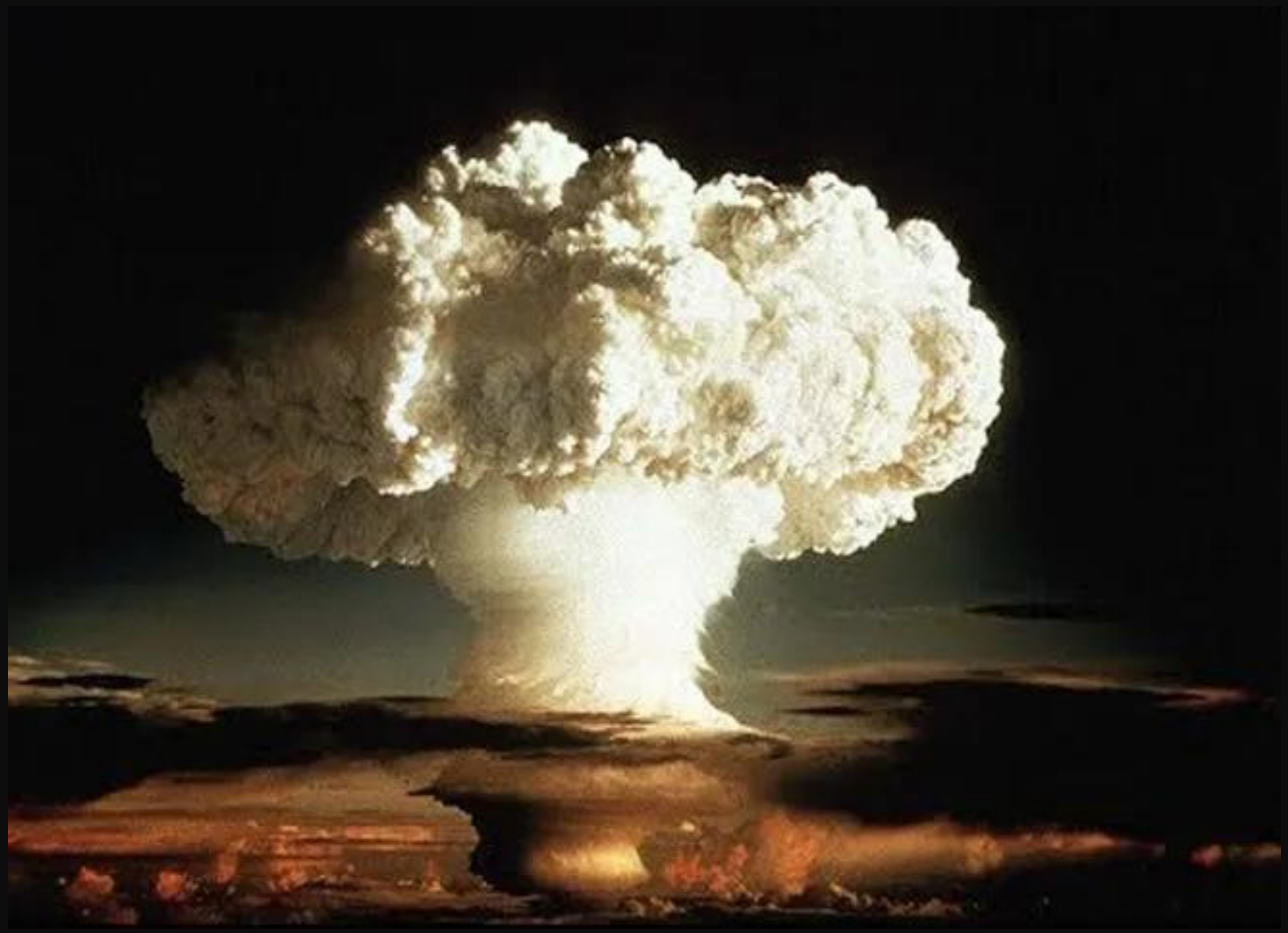

पुरानी और नई संरचना के बीच मुख्य अंतर

पहलू	पुरानी संरचना	नई संरचना (2025)
सदस्य	विद्वान, नीति विशेषज्ञ, पूर्व अधिकारी	सीधे सैन्य, खुफिया और कूटनीतिक पृष्ठभूमि से
सैन्य प्रतिनिधित्व	सीमित या प्रतीकात्मक	सेना, वायुसेना, नौसेना – तीनों से प्रतिनिधित्व
फोकस	परमाणु नीति, कूटनीति, सुरक्षा अध्ययन	साइबर सुरक्षा, आतंकवाद, भू-राजनीति, तकनीकी खुफिया
सक्रियता	विश्लेषणात्मक और सलाहकार	अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय और रणनीतिक

प्रश्न 1: Research and Analysis Wing (R&AW) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. R&AW भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी है।
2. यह प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कार्य करती है, और इसकी निगरानी संसद द्वारा की जाती है।
3. R&AW की स्थापना 1968 में की गई थी।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1

D. 1, 2 और 3

Result Mitra

उत्तर: A. केवल 1 और 3

व्याख्या:

R&AW भारत की बाहरी (foreign) खुफिया एजेंसी है।
यह सीधे प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करती है, लेकिन यह किसी संसदीय या संवैधानिक निगरानी के अधीन नहीं है।
इसकी स्थापना 1968 में की गई थी।

1 NO POVERTY
2 ZERO HUNGER
3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING
4 QUALITY EDUCATION
5 GENDER
Result Mitra
6 CLEAN WATER AND SANITATION
7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE
10 REDUCED INEQUALITIES
11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
THE GLOBAL GOALS
For Sustainable Development
12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION
13 CLIMATE ACTION
14 LIFE BELOW WATER
15 LIFE ON LAND
16 PEACE AND JUSTICE STRONG INSTITUTIONS
17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS
सतत विकास लक्ष्य और संसाधनों की कमी

सतत विकास लक्ष्य

Daily Current News

Result Mitra

- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के 28 अप्रैल 2025 को ECOSOC मंच पर दिए गए भाषण, जिसमे उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में हो रही समस्याओं को उजागर किया

- **1. एसडीजी लक्ष्य पटरी से उतरे**
- सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को पूरा करने में बड़ी बाधाएं आ रही हैं।
- करीब 4 ट्रिलियन डॉलर की वार्षिक फंडिंग की कमी है।

विकास

टूटते भरोसे, थमती तरक्की: चार ट्रिलियन डॉलर की चुनौती में उलझे सतत विकास के लक्ष्य

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का कहना है कि "व्यापारिक युद्ध में सबको नुकसान होता है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा कमजोर देशों और समुदायों को भुगतना पड़ता है

- Source- Down to Earth

- **2. कर्ज का संकट गहराया**
- विकासशील देश भारी कर्ज के बोझ तले दबे हैं।
- 50+ देशों की सरकारें अपनी आमदनी का 10% से ज्यादा कर्ज चुकाने में खर्च कर रही हैं।
- 17 देशों में यह आंकड़ा 20% से भी अधिक है।

- **3. वैश्विक सहयोग में गिरावट**
- व्यापारिक तनाव और अवरोधों से वैश्विक सहयोग कमजोर हुआ है।
- टैरिफ, नीतिगत अस्थिरता और भरोसे की कमी से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है।

- **4. वैश्विक मंदी की आशंका**
- **यूएनसीटीएडी की रिपोर्ट:**
- वैश्विक विकास दर 2025 में 2.3% तक गिर सकती है।
- व्यापारिक युद्ध और आर्थिक अनिश्चितता प्रमुख कारण।

UNITED NATIONS
UNCTAD

- **5. गंभीर वित्तीय चुनौतियाँ**
- विकासशील देशों में कर्ज के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में निवेश में कमी।
- मौजूदा वैश्विक वित्तीय प्रणाली गरीब देशों की जरूरतें पूरी नहीं कर पा रही।

- **6. महत्वपूर्ण तीन कदम सुझाए**
- कर्ज प्रबंधन:
- सस्ता कर्ज, पुनर्गठन और संकट के समय समर्थन की व्यवस्था।

- **मल्टीलेटरल बैंकिंग सुधार:**
- बहुपक्षीय विकास बैंकों की कर्ज देने की क्षमता तीन गुना करने की जरूरत।

- **वित्तीय संसाधनों का विस्तार:**
- घरेलू संसाधनों को मजबूत करना, टैक्स सुधार और निजी निवेश को बढ़ावा देना।

- **7. वैश्विक कर प्रणाली में सुधार**
- न्यायपूर्ण और समान अंतरराष्ट्रीय कर नियमों की आवश्यकता।
- डोनर्स को अपनी सहायता प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहिए।

Result Mitra

सतत विकास लक्ष्य

- एसडीजी (SDGs) का पूरा नाम है "सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (Sustainable Development Goals)"।
- इन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2015 में अपनाया था और इनका लक्ष्य 2030 तक एक समावेशी, न्यायसंगत और टिकाऊ दुनिया बनाना है।
- **एसडीजी के मुख्य तथ्य:**
- कुल 17 लक्ष्य (Goals) हैं।
- इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 169 उपलक्ष्य (Targets) निर्धारित किए गए हैं।
- यह सभी देश (विकसित, विकासशील, अविकसित) के लिए लागू हैं।

- **17 एसडीजी लक्ष्यों की सूची**
- **1. गरीबी हटाओ (No Poverty) :-** सभी रूपों में और हर जगह गरीबी समाप्त करना।
- **2. भूख समाप्त करो (Zero Hunger) :-** भूख मिटाना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और पोषण में सुधार करना।
- **3. अच्छा स्वास्थ्य और भलाई :-** सभी के लिए स्वस्थ जीवन और कल्याण को बढ़ावा देना।

Daily Current News

Result Mitra

सतत विकास लक्ष्य

- **4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (Quality Education) :-** सभी के लिए समावेशी और न्यायसंगत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना।
- **5. लैंगिक समानता (Gender Equality) :-** महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना और लैंगिक भेदभाव समाप्त करना।
- **6. स्वच्छ जल और स्वच्छता (Clean Water and Sanitation) :-** सभी के लिए जल और स्वच्छता की उपलब्धता और टिकाऊ प्रबंधन।

- 7. सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा (Affordable and Clean Energy) :- सभी के लिए सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा।
- 8. श्रम और आर्थिक वृद्धि (Decent Work and Economic Growth) :- समावेशी और सतत आर्थिक विकास, उत्पादक रोजगार और सभी के लिए सम्मानजनक कार्य।
- 9. उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा (Industry, Innovation and Infrastructure) :- लचीला बुनियादी ढांचा बनाना, औद्योगिकीकरण और नवाचार को बढ़ावा देना।

- 10. असमानता में कमी (Reduced Inequalities) :- देशों के भीतर और देशों के बीच असमानताओं को कम करना।
- 11. सतत शहर और समुदाय (Sustainable Cities and Communities) :- समावेशी, सुरक्षित, लचीले और टिकाऊ शहर बनाना।
- 12. सतत उपभोग और उत्पादन (Responsible Consumption and Production) :- सतत खपत और उत्पादन के पैटर्न को सुनिश्चित करना।

- 13. जलवायु कार्रवाई (Climate Action) :- जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटना।
- 14. जल के नीचे जीवन (Life Below Water) :- महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण।
- 15. थल पर जीवन (Life on Land) :- स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, पुनर्स्थापन और सतत उपयोग।
- 16. शांति, न्याय और मजबूत संस्थान (Peace, Justice and Strong Institutions) :- शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देना।
- 17. लक्ष्य प्राप्ति हेतु भागीदारी (Partnerships for the Goals) :- कार्यान्वयन के लिए वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ बनाना।

प्रश्न 1: सतत विकास (Sustainable Development) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सतत विकास का उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है, भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना।
2. यह अवधारणा मुख्यत: पर्यावरणीय संरक्षण तक सीमित रहती है।
3. सतत विकास में आर्थिक वृद्धि, सामाजिक समावेश और पर्यावरणीय स्थिरता तीनों का समावेश होता है।

इनमें से कौन-से कथन सत्य हैं?

A. 1 और 3
B. 2 और 3
C. 1 और 2
D. सभी 1, 2 और 3

उत्तर: A. 1 और 3

व्याख्या:
पहला कथन सही है यह सतत विकास की मूल परिभाषा को दर्शाता है।
दूसरा कथन गलत है- सतत विकास केवल पर्यावरण
तक सीमित नहीं है, यह बहुआयामी है।
तीसरा कथन सही है यह तीन प्रमुख स्तंभों (आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय)
को शामिल करता है।

Result Mitra

Result Mitra
टिड्डियों का खतरा: एफएओ ने चेतावनी

टिड्डियों का खतरा

Daily Current News

Result Mitra

- उत्तर पश्चिम अफ्रीका में टिड्डियों का खतरा: एफएओ ने दी सतर्कता की चेतावनी
- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने उत्तर पश्चिम अफ्रीका के देशों को चेतावनी दी है कि वे टिड्डियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए निगरानी और नियंत्रण कार्य तेज करें।
- एफएओ का कहना है कि इस समय वहां वसंत प्रजनन का मौसम चल रहा है और टिड्डी दलों की संख्या में सामान्य से अधिक वृद्धि देखी गई है।

फाइल फोटो: सीएसई

कृषि

उत्तर पश्चिम अफ्रीका में टिड्डी दलों की हलचल बढ़ी, एफएओ ने चेताया

एफएओ ने प्रभावित देशों से निगरानी तेज करने और समय रहते नियंत्रण उपाय अपनाने की अपील की

- Source- Down to Earth

टिड्डियों का खतरा

Daily Current News

- एफएओ की रिपोर्ट के अनुसार सहेल क्षेत्र—जिसमें दक्षिणी अल्जीरिया, उत्तरी माली, नाइजर और चाड शामिल हैं—से टिड्डियों के समूह हवा और वर्षा की अनुकूल परिस्थितियों के कारण उत्तर की ओर बढ़े हैं।
- अब ये दल अल्जीरिया के होगर पर्वत, लीबिया के फेज़ान क्षेत्र, ट्यूनिशिया और पश्चिमी लीबिया तक पहुंच चुके हैं।
- इन क्षेत्रों में हाल के महीनों में अच्छी बारिश हुई है, जिससे वनस्पति तेजी से बढ़ी है।

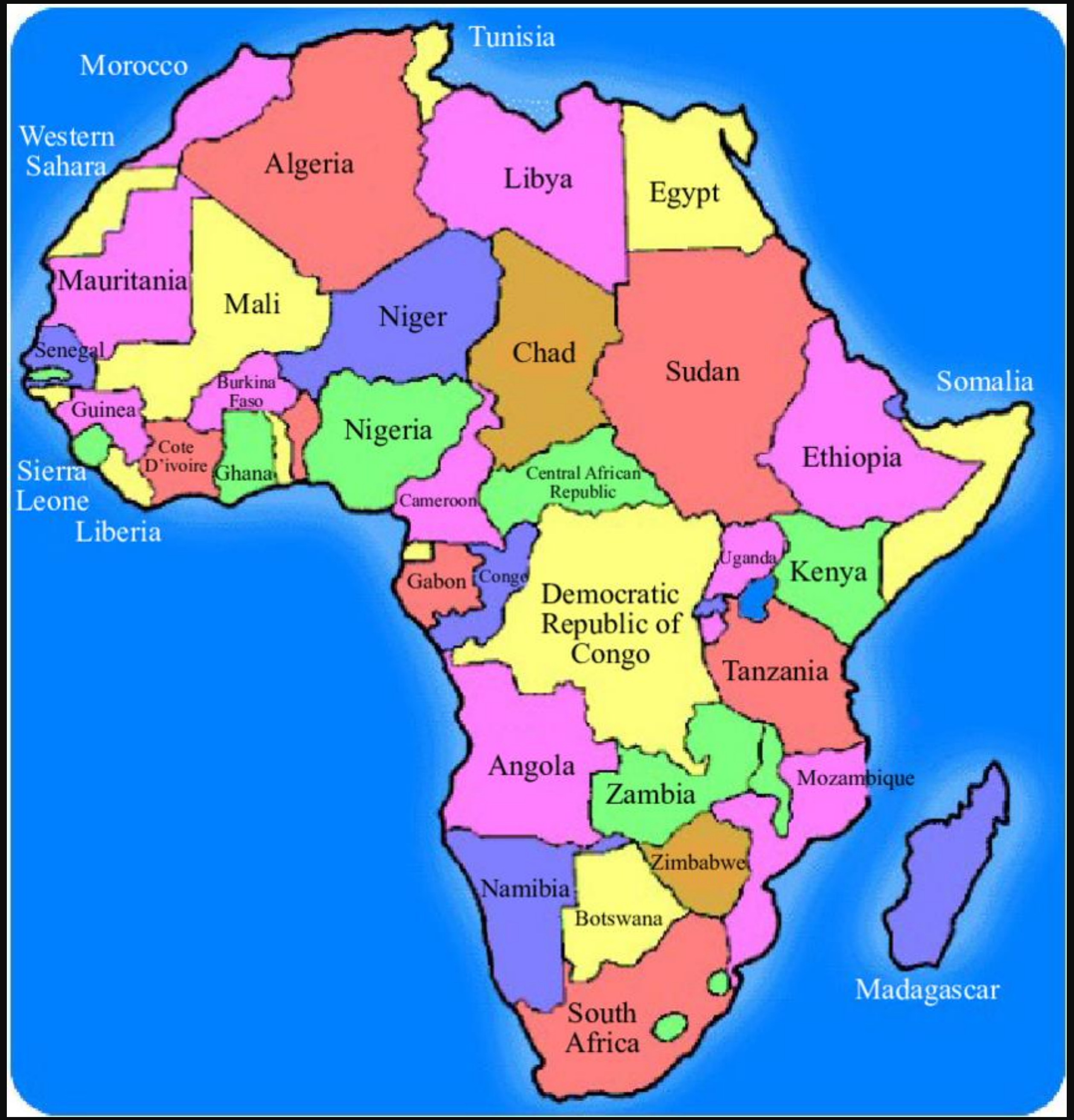

टिड्डियों का खतरा

Daily Current News

Result Mitra

- यह हरा-भरा वातावरण टिड्डियों के प्रजनन के लिए अत्यधिक अनुकूल माना जाता है, जिससे उनका तेजी से फैलाव संभव हो रहा है।
- एफएओ के टिड्डी निगरानी और पूर्वानुमान अधिकारी सायरिल पियू ने कहा कि यदि समय रहते इन क्षेत्रों में निगरानी और नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए, तो मई-जून तक टिड्डियों के ये समूह छोटे-छोटे दलों में बदलकर फसलों और चरागाहों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

टिड्डियों का खतरा

Result Mitra

- एफएओ ने खास तौर पर मोरक्को के एटलस पर्वत के दक्षिणी हिस्से, अल्जीरिया के सहारा क्षेत्र, ट्यूनिशिया के दक्षिण और लीबिया के पश्चिम में गहन जमीनी सर्वेक्षण और त्वरित नियंत्रण कार्यों की सिफारिश की है।
- एफएओ की दो विशेष एजेंसियां प्रभावित देशों को तकनीकी सहायता और वास्तविक समय की जानकारी प्रदान कर रही हैं।
- यह उल्लेखनीय है कि टिड्डी एक अत्यंत विनाशकारी कीट है।

टिड्डियों का खतरा

- एक वर्ग किलोमीटर का टिड्डी दल प्रतिदिन उतना भोजन खा सकता है, जितना लगभग 35,000 लोग एक दिन में खा सकते हैं।
- इसलिए समय पर इनकी पहचान और तत्काल कार्रवाई ही इस खतरे को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

- **टिड्डियां (Locust)**
- टिड्डियां छोटे सींगों वाली ग्रासहॉपर होती हैं।
- ये प्रवासी जीव है जो हमेशा एक जगह से दूसरी जगह प्रवास करती रहती हैं।
- साथ ही, ये आसपास के परिवेश के अनुरूप अलग-अलग व्यवहार भी प्रदर्शित करती हैं।
- इनमें बार-बार अधिक आहार ग्रहण करने की प्रवृत्ति पाई जाती है।

टिड्डियों का खतरा

Result Mitra

- ये झुंड (वयस्कों का समूह) और हॉपर बैंड (निम्फों का समूह) बना सकती हैं।
- ये प्राकृतिक वनस्पति और फसलों को भारी नुकसान पहुंचाती हैं।
- भारत में केवल चार प्रकार की टिड्डियां पाई जाती हैं।
- ये हैं:

टिड्डियों का खतरा

Daily Current News

- डेजर्ट टिड्डी (स्किस्टोसेरका ग्रेगेरिया);
- प्रवासी टिड्डी (लोकस्टा माइग्रेटोरिया);
- बॉम्बे टिड्डी (नोमैडैक्रिस सक्सिन्टा); तथा
- ट्री टिड्डी (एनाक्रिडियम प्रजाति) हैं।

- **एफएओ (FAO) –**
- **पूरा नाम:** Food and Agriculture Organization (खाद्य और कृषि संगठन)
- **स्थापना:** 16 अक्टूबर 1945
- मुख्यालय: रोम, इटली
- **सदस्य देश:**
- 190+ सदस्य देश (भारत भी एक सदस्य है)

- **मुख्य उद्देश्य:**
- विश्व स्तर पर भूख मिटाना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और कृषि, वानिकी, मत्स्य और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना।
- **एफएओ के प्रमुख कार्य:**
- 1. खाद्य और कृषि पर शोध एवं डाटा उपलब्ध कराना।
- 2. कृषि उत्पादन और उत्पादकता में सुधार हेतु तकनीकी सहायता देना।

- 3. आपातकालीन खाद्य संकट में सहायता प्रदान करना।
- 4. पर्यावरणीय और जलवायु परिवर्तन से संबंधित कृषि रणनीतियाँ विकसित करना।
- 5. कीट नियंत्रण, जैसे टिड्डी नियंत्रण अभियान चलाना।
- **एफएओ की भारत में भूमिका:**
- भारत को हरित क्रांति (Green Revolution) के दौरान तकनीकी समर्थन प्रदान किया।
- पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य भंडारण में सहयोग।
- हाल ही में, एफएओ भारत को टिड्डी हमलों के दौरान तकनीकी मार्गदर्शन देता रहा है।

टिड्डियों का खतरा

Daily Current News

Result Mitra

- **UPSC के लिए उपयोगी बिंदु:**
- FAO संयुक्त राष्ट्र की विशेषीकृत एजेंसी (Specialized Agency) है।
- इसका आदर्श वाक्य है: "Fiat Panis" (अर्थात "Let there be bread")
- 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस (World Food Day) मनाया जाता है।
- FAO SDG-2 (Zero Hunger) प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाता है।

प्रश्न 1: खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. FAO संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी है जो अंतरराष्ट्रीय भूखमरी से निपटने और कृषि के सुधार हेतु कार्य करती है।
2. इसका मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
3. भारत FAO का सदस्य नहीं है।

इनमें से कौन-से कथन सही हैं?

A. 1 और 2
B. 2 और 3
C. 1 और 3
D. सभी 1, 2 और 3

उत्तर: A. 1 और 2

व्याख्या:

कथन 1 सही है FAO की स्थापना 1945 में हुई थी और इसका मुख्य उद्देश्य भुखमरी समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और कृषि का सतत विकास है।

कथन 2 सही है - FAO का मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।

कथन 3 गलत है भारत FAO का संस्थापक सदस्य है और इसकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

Result Mitra
मधुमक्खियाँ: परागणकर्ता एवं पारिस्थितिक तंत्र की रीढ़

- **हालिया चिंता:**
- विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों में यह सामने आया है कि माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण मधुमक्खियों और अन्य परागण करने वाले कीटों की आहार खोजने और परागण करने की क्षमता को प्रभावित कर रहा है।
- ये सूक्ष्म प्लास्टिक कण उनके शरीर में जमा होकर उनके संज्ञानात्मक व्यवहार को प्रभावित करते हैं, जिससे पूरा पारिस्थितिक संतुलन खतरे में पड़ सकता है।

- **मधुमक्खियों का परिचय:**
- **1. प्राप्ति क्षेत्र:**
- मधुमक्खियाँ अंटार्कटिका को छोड़कर विश्व के सभी महाद्वीपों पर पाई जाती हैं। ये जंगली और पालतू, दोनों रूपों में मौजूद होती हैं।
- **2. भोजन:**
- मधुमक्खियाँ मुख्यत: फूलों से प्राप्त मकरंद (Nectar) और प्रोटीन युक्त परागकण (Pollen) पर निर्भर करती हैं।

- **3. शारीरिक विशेषताएँ:**
- केवल मादा मधुमक्खियों के पास डंक होता है।
- यह डंक वास्तव में एक संशोधित अंडे देने वाला अंग (Ovipoistor) है।
- ये सामाजिक कीट होती हैं और झुंड में जीवन व्यतीत करती हैं।
- **4. जीवनचक्र:**
- अंडा → लार्वा → प्यूपा → वयस्क मधुमक्खी

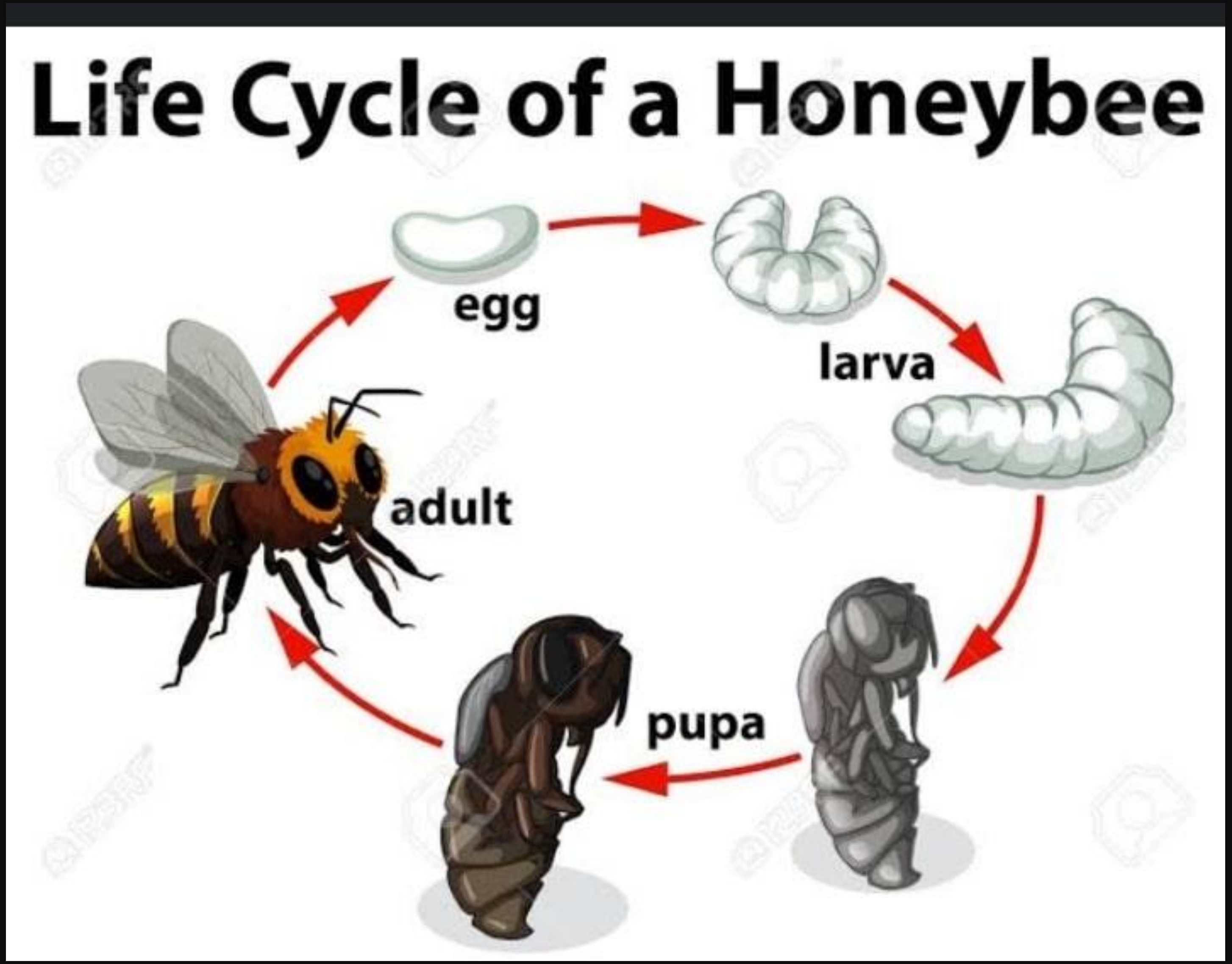

मधुमक्खियाँ

Daily Current News

Result Mitra

- **पारिस्थितिकीय महत्व:**
- मधुमक्खियाँ दुनिया भर के लगभग 80% फूलों वाले पौधों का परागण करती हैं।
- ये खाद्य सुरक्षा का आधार हैं क्योंकि इनके परागण से फसलों में उपज बढ़ती है (जैसे सेब, बादाम, सरसों आदि)।
- परागण के माध्यम से ये जैव विविधता बनाए रखने में योगदान देती हैं।

- **मधुमक्खियों के समक्ष खतरे:**
- 1. माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण
- 2. कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग (जैसे नियोनिकोटिनॉयड्स)
- 3. प्राकृतिक आवासों का विनाश
- 4. जलवायु परिवर्तन
- 5. वायरस व रोगजनक (जैसे वरोआ माइट)

- **भारत में पहलें:**
- राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (NBHM) – 2020 में शुरू किया गया, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और परागण को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य है।
- ICAR – मधुमक्खी अनुसंधान केंद्र, पुणे द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है।

- **UPSC उपयोगिता के लिए टिप्स:**
- यह टॉपिक पर्यावरण और पारिस्थितिकी, जलवायु परिवर्तन, कृषि एवं जैव विविधता जैसे विषयों में पूछा जा सकता है।
- मधुमक्खियों का उल्लेख SDG-2 (Zero Hunger) और SDG-15 (Life on Land) से भी जोड़ा जा सकता है।

मधुमक्खियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मधुमक्खियां फसल परागण में सहायक होती हैं जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ती है।
2. भारत में पाई जाने वाली Apis dorsata प्रजाति को रॉक बी कहा जाता है।
3. मधुमक्खियों की संख्या में कमी का कारण केवल कीटनाशकों का प्रयोग है।

सही कथनों का चयन कीजिए:

A. 1 और 2
B. 2 और 3
C. 1 और 3
D. 1, 2 और 3

- उत्तर: A. 1 और 2
-
- **व्याख्या:**
- कथन 1 सही है - मधुमक्खियां परागण के ज़रिए कई फसलों की उपज में वृद्धि करती हैं।
- कथन 2 सही है - Apis dorsata को रॉक बी (जंगली मधुमक्खी) कहा जाता है, यह खुले में छत्ता बनाती है।
- कथन 3 गलत है मधुमक्खियों की संख्या में गिरावट कई कारणों से होती है: कीटनाशकों के साथ-साथ क्लाइमेट चेंज, बीमारियाँ और प्राकृतिक आवास का नाश।

Result Mitra
कनाडा में हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव

- 28 अप्रैल 2025 को कनाडा में आम चुनाव आयोजित किए गए, जिसमें लिबरल पार्टी ने अल्पमत सरकार के रूप में सत्ता में वापसी की है।
- पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है, जो जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी के नेता बने थे।
- कनाडा में आधिकारिक तौर पर चुनाव अक्टूबर 2025 को होने थे, किंतु प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पिछले महीने यह कह कर नए चुनाव का ऐलान किया था कि उन्हें ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहिए।

- 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री रहे जस्टिन ट्रूडो ने इस साल की शुरुआत में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद मार्क कार्नी को नया प्रधानमंत्री चुना गया था।
- **चुनाव परिणाम और प्रमुख घटनाक्रम**
- लिबरल पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से चुनाव जीत लिया, हालांकि पूर्ण बहुमत नहीं मिला।
- यह जीत मुख्य रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा विरोधी नीतियों के प्रति जनाक्रोश के कारण हुई।

- ट्रंप के टैरिफ और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकियों ने कनाडाई मतदाताओं में राष्ट्रवाद की भावना को प्रबल किया।
- कंजरवेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे को न केवल चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, बल्कि उन्होंने अपनी संसदीय सीट भी गंवा दी।
- न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (NDP) के नेता जगमीत सिंह भी अपनी सीट हार गए और उन्होंने पार्टी नेतृत्व से इस्तीफा देने की घोषणा की।

- **भारतीय मूल के उम्मीदवारों की सफलता**
- इस चुनाव में भारतीय मूल के 22 उम्मीदवार विजयी हुए, जिनमें से 12 लिबरल पार्टी और 10 कंजरवेटिव पार्टी से हैं।
- प्रमुख विजेताओं में अनिता आनंद, बर्दिश चग्गर और टिम उप्पल शामिल हैं। हालांकि, कमल खेरा और जगमीत सिंह अपनी सीटें हार गए।

कनाडा में हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव

Daily Current News

Result Mitra

- **भविष्य की दिशा**
- मार्क कार्नी ने अपने विजय भाषण में कनाडा की संप्रभुता की रक्षा और अमेरिकी हस्तक्षेप का विरोध करने की प्रतिबद्धता जताई।
- उन्होंने कहा कि "ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं," और कनाडा को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता है।
- हालांकि लिबरल पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, फिर भी यह जीत कनाडा की उदार लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षीय सहयोग की ओर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

Jeddah
Mecca
Taif
SAUDI
ARABIA
RED SEA
Al Lith
Al Bahah
Bisha
Port Sudan
Suakin
Al Qunfudhah
Tokar
Khamis Mushait
Abha
OMAN
SUDAN
Najran
Sharurah
Jazan
Salalah
Farasan Islands
ERITREA
Dahlak Archipelago
YEMEN
Massawa
ASMARA
SANAA
Al Hudaydah
Mukalla
ARABIAN SEA
Aksum
Ibb
Taiz
Debark
Mekele
Mocha
Socotra
(YEMEN)
Assab
Aden
Gulf of Aden
Gondar
Lake Tana
DJIBOUTI
Bahir Dar
Dessie
Ali Sabieh
Bosaso
INDIAN OCEAN
ETHIOPIA
Hafun
Borama
SOMALIA

CANADA
Provinces and Capitals with Major Cities
RUSSIA
GREENLAND
Kalaallit Nunaat
ICELAND
Beaufort Sea
ALASKA (USA)
YUKON
Whitehorse
NORTHWEST TERRITORIES
Yellowknife
NUNAVUT
Iqaluit
Labrador Sea
ATLANTIC OCEAN
PACIFIC OCEAN
Hudson Bay
BRITISH COLUMBIA
ALBERTA
SASKATCHEWAN
MANITOBA
ONTARIO
QUÉBEC
NEWFOUNDLAND AND LABRADOR
PRINCE EDWARD ISLAND
NOVA SCOTIA
NEW BRUNSWICK
Alert
Kaujuitoq
Inuvik
Cambridge Bay
Echo Bay
Kangiqcliniq (Rankin Inlet)
Ivujivik
Fort Smith
Northern Rockies
Churchill
Happy Valley
Labrador City
Gander
St. John's
Grand Falls
Corner Brook
Stephenville
Smithers
Dawson Creek
Wood Buffalo
Prince Rupert
Grande Prairie
Cold Lake
Flin Flon
Thompson
Chisasibi
Sept-Iles
Gaspe
Quesnel
Westlock
Prince Albert
Williams Lake
Edmonton
The Pas
Red Deer
Campbell River
Spallumcheen
Drumheller
Vancouver
Surrey
Calgary
Victoria
Regina
Dauphin
St. Andrews
Winnipeg
Lethbridge
Medicine Hat
Dryden
Thunder Bay
Fort Frances
Moosonee
Chibougamau
Charlottetown
Moncton
Fredericton
Halifax
Kapuskasing
Val-d'Or
Saguenay
Quebec City
Hearst
Kirkland Lake
Timmins
Laval
Sudbury
OTTAWA
Montreal
Lake Superior
Sault Ste Marie
Lake Huron
Lake Ontario
Lake Michigan
Brampton
Scarborough
Mississauga
Toronto
Kitchener
Hamilton
Lakeshore
Lake Erie
USA
CANADA
NORTH
LEGEND
International Boundary
State Boundary

60°
64°
68°
72°
76°
36°
32°
28°
24°
CHINA
TAJIKISTAN
AFGHANISTAN
GILGIT-
BALTISTAN
AZAD
KASHMIR
KHYBER
PAKHTUNKHWA
ISLAMABAD
PAKISTAN
PUNJAB
BALOCHISTAN
SINDH
IRAN
INDIA
ARABIAN SEA
Tropic of Cancer
Chitral
Dir
Mardan
Mansehra
Peshawar
Nowshera
Wāh
Islamabad
Kohat
Rawalpindi
Jhelum
Bannu
Gujrat
Siālkot
Miānwāli
Wazīrābād
Dera Ismail Khan
Gujranwala
Sargodha
Zhob
Faisalabad
Lahore
Okāra
Kasur
Sahiwal
Pishīn
Quetta
Loralai
Multan
Vihāri
Bahawalnagar
Dera Ghazi Khan
Khairpur
Bahawalpur
Sūi
Jacobābād
Rahīmyār Khān
Khuzdār
Shikārpur
Sukkur
Larkana
Panjgūr
Dadu
Las Bela
Nawābshāh
Turbat
Mīrpur Khās
Kotri
Hyderabad
Gwadar
Karachi
Badīn
Thatta
A Administered by Pakistan; claimed by India
B Administered by India
C Administered by China; claimed by India
BOUNDARIES
International boundaries
Disputed boundaries
Lines of control
0
100
200 mi

Result Mitra